

## Περιεχόμενα

|  |     |
|--|-----|
| ΠΡΟΛΟΓΟΣ ΣΤΗΝ ΤΡΙΤΗ ΕΚΔΟΣΗ .....               | 11  |
| ΠΡΟΛΟΓΟΣ ΣΤΗ ΔΕΥΤΕΡΗ ΕΚΔΟΣΗ.....               | 13  |
| ΠΡΟΛΟΓΟΣ ΣΤΗΝ ΠΡΩΤΗ ΕΚΔΟΣΗ .....               | 15  |
| <br>   |     |
| Η ΠΑΡΑΜΟΡΦΩΣΗ ΤΟΥ ΚΑΡΥΩΤΑΚΗ .....              | 17  |
| Περί των κριτικών αναθεωρήσεων.....            | 19  |
| Παράπλευρες κριτικές απώλειες.....             | 23  |
| Η αριστεροποίηση του Καρυωτάκη.....            | 27  |
| Ο Καρυωτάκης “πρωτοποριακός” .....             | 31  |
| Πολιτική και μη πολιτική ποίηση.....           | 35  |
| Μια άλλη ανάγνωση του Καρυωτάκη.....           | 39  |
| Μια άλλη ανάγνωση του Σεφέρη .....             | 43  |
| Ο Καρυωτάκης και η γενιά του ’30.....          | 47  |
| <br>   |     |
| Ο Τ. Κ. ΠΑΠΑΤΣΩΝΗΣ ΚΑΙ Η ΠΡΩΤΟΠΟΡΙΑΚΟΤΗΤΑ..... | 53  |
| Ο ΚΑΡΥΩΤΑΚΗΣ ΚΑΙ Ο ΔΕΚΑΠΕΝΤΑΣΥΛΛΑΒΟΣ.....      | 95  |
| Ο Γ. Π. ΣΑΒΒΙΔΗΣ ΚΑΙ ΟΙ ΣΑΝΑΦΙΣΤΑΣ .....       | 107 |
| Ο ΚΑΡΥΩΤΑΚΗΣ ΤΟΥ ΛΟΡΕΝΤΖΑΤΟΥ.....              | 135 |

|   |     |
|---|-----|
| ΠΑΡΑΡΤΗΜΑ.....                            | 157 |
| Ο Κ. Θ. Δημαράς και η γενιά του '30 ..... | 159 |
| Η παρανάγνωση του Καβάφη .....            | 167 |
| ΠΡΩΤΕΣ ΔΗΜΟΣΙΕΥΣΕΙΣ.....                  | 173 |
| ΕΥΡΕΤΗΡΙΟ ΠΡΟΣΩΠΩΝ .....                  | 177 |